'मीडिया और साहित्य' विषय पर ऑनलाइन परिसंवाद

युवा शक्ति संवाददाता

कोलकाताः साहित्य अकादमी, नई दिल्ली ने 'मीडियाऔर साहित्य' विषय पर मंगलवार को ऑनलाइन परिसंवाद का आयोजन किया. दो सत्र में आयोजित इस परिसंवाद के पहले सत्र की अध्यक्षता प्रसिद्ध साहित्यकार उदयचंद्र झा 'विनोद' ने और दूसरे सत्र की अध्यक्षता प्रसिद्ध कथाकार एवं रंगकर्मी विभा रानी ने की. विषय प्रवर्तन करते हुए साहित्य अकादमी में मैथिली भाषा के संयोजक डॉ. अशोक अविचल ने कहा कि मीडिया और साहित्य एक-दूसरे के पूरक हैं. दोनों विधा में मैथिली भाषा ने काफी लम्बा रास्ता तय किया है.

बीज वक्तव्य देते हुए अजित आज़ाद ने मैथिली भाषा में पूँजीनिवेश की जरूरत पर जोर दिया और कहा कि वेब पत्रकारिता के जरिये आम जनमानस के विश्वास को जीतने में मैथिली मीडिया सफल रहा है. इस भाषा में रोजी-रोटी की अपार संभावनाएं

हैं. भाषा के विकास में ई-पत्रकारिता सहायक है. इस मौके पर युवा पत्रकार विनीत उत्पल ने कहा कि मीडिया और साहित्य के बीच गहरा संबंध है. दोनों समाज का आइना होता है. कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ साहित्यकार उदयचंद्र झा 'विनोद' ने कहा कि मैथिली पत्रकारिता की शुरुआत सन 1905 से हुई और वर्तमान समय में दैनिक समाचारपत्र और टेलीविजन की आवश्यकता महसूस की जा रही है. दूसरे सत्र की अध्यक्षता करते हुए विभा रानी ने कहा कि भाषा और साहित्य के विकास में मीडिया की भूमिका सर्वोपरि है. युवा पत्रकार सच्चिदानंद सच्चू और रूपेश त्योंथ ने अपने-अपने आलेख के माध्यम से मैथिली मीडिया की वर्तमान स्थिति-परिस्थिति, भविष्य की संभावनाओं पर विचार प्रस्तुत किया. धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अशोक अविचल ने किया और घोषणा की कि आज के परिसंवाद का दस्तावेजीकरण कर पुस्तक का प्रकाशन होगा. अकादमी के उपसचिव सुरेश बाबू ने कहा कि पूरे देश में महामारी के कारण लोगों में पीड़ा और अवसाद है, ऐसे में लोग भय में जी रहे हैं. इस स्थिति में इस तरह के आयोजन से सकारात्मकता का संचार होता है.